बंधवाड़ी की तरह शहर को जहरीला बनाने की तैयारी कर रहे निकम्मे अधिकारी

कचरे का निस्तारण तो करा नहीं पाए अब पांच जगहों पर कूड़े का पहाड़ खड़ा करने की योजना

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) निकम्मी सरकार के चोर अधिकारी कचरा निस्तारण के नाम पर पूरे शहर को बर्बाद करने पर तुल गए हैं। अरबों रुपये बर्बाद करने के बावजूद बंधवाड़ी प्लांट को आज तक ठीक से चला नहीं सके, अब पूरे शहर को बंधवाड़ी बनाना चाह रहे हैं। प्लांट के कारण बंधवाड़ी के आसपास की हवा-पानी खराब होने से कैंसर जैसी बीमारियां बढ़ी हैं वहीं पेड़-पौधे और जंगली जानवर भी मर रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण के प्रयास में जुटी सेव अरावली संस्था के सदस्यों ने बीते सोमवार को बंधवाड़ी प्लांट के आसपास का दौरा कर वहां के हालात देखे। प्लांट के कारण होने वाले नुकसान को देख कर इनका गुस्सा भ्रष्ट अधिकारियों के प्रति फूट पड़ा। बंधवाड़ी प्लांट के आसपास के इलाके की रिपोर्ट सेव अरावली के सदस्यों की जुबानी।

बंधवाड़ी का नजारा तो ऐसा है कि जैसे जो नर्क है वह यहीं है। यहां कूड़े का जो पहाड़ खड़ा है इसके पिछवाड़े जो हो रहा है वह दिल्ली-एनसीआर के लोग देखें तो शायद यहां रहना ही छोड़ दें। बंधवाड़ी प्लांट का यह अजूबा है कि इसके पीछे स्थित पिंक झील में लीचेट (कचरे से रिसकर निकलने वाला सड़ा, तेजाबी गंदा पानी) प्रवाहित हो रहा है। लीचेट मिलने से इस पिंक झील का पानी गहरे बैंगनी रंग में तब्दील हो गया है। ये वही झीलें हैं जिन्हें भूरेलाल कमेटी ने तुरंत प्रभाव से बंद करवा दिया था, क्योंकि इनका पानी सीधे भूजल से जुड़ा हुआ है। इन झीलों का पानी दिल्ली-एनसीआर को सप्लाई किया जा रहा है। यानी दिल्ली-एनसीआर के लोग जहर पीने को मजबूर हैं।

यह सब कोर्ट, कमिश्नर, डीसी की निगरानी में हो रहा है क्योंकि ये लोग यहां का निरीक्षण करते रहते हैं। दरअसल प्लांट प्रबंधन इन निरीक्षण करने वाले अधिकारियों को यह सब देखने ही नहीं देता, उन्हें इधर आने ही नहीं दिया जाता। प्लांट के अधिकारियों ने अपनी गंदी हरकत छिपाने के लिए झील के चारों ओर दीवार खड़ी कर दी है लेकिन लीचेट इन दीवारों के नीचे से बह कर इस झील के पानी को दूषित कर रहा है। ये अधिकारी आपकी जिंदगियों में जहर भर रहे हैं।

यहां खदानें दो सौ मीटर तक गहरी हैं, इतनी गहरी कि जमीन से प्राकृतिक रूप से पानी निकल रहा है। यदि इनमें कचरे से रिसने वाला तेजाबी, जहरीला और दूषित पानी मिल जाएगा तो इनका पानी भी दूषित होकर इसे इस्तेमाल करने वालों को बीमार कर देगा।

बंधवाड़ी प्लांट से महज सौ मीटर दूरी पर मांगर बनी है जहां पर सीएम खट्टर साहब बार-बार आते हैं और उन्होंने इसको बफर जोन घोषित कर रखा है। लेकिन मांगर बनी के ठीक पीछे चंद कदमों की दूरी पर बनी इन नीली झीलों में जहर भरा हुआ है। इन झीलों का पानी पीने से बंधवाड़ी इलाके में कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। यही नहीं लीचेट का पानी पीने से एक तेंदुए की भी मौत हो चुकी है। इस दूषित तेजाबी पानी के कारण आसपास की वनस्पति भी मर रही है।

सेव अरावली के मुताबिक कुछ समय पहले आयोजित हुए गूजर महोत्सव में बंधवाड़ी की एक महिला ने अपनी समस्या बताई थी कि उनके गांव में लाल-काला रंग का पानी सप्लाई किया जा रहा है। उसने सभी को चैलेंज किया था कि यह पानी कोई भी नेता, अधिकारी पीकर दिखाए, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

अब अधिकारी कह रहे हैं कि ऐसा ही प्लांट, प्रतापगढ़, पाली, प्रह्लादपुर, रिवाजपुर में भी बनेगा। सेव अरावली के सदस्य गुस्से में कहते हैं कि इन अधिकारियों को जूते मार कर भगाना चाहिए, यह कोई अधिकारी नहीं बल्कि देश और नागरिकों के दुश्मन हैं। पूरे फरीदाबाद, दिल्ली-एनसीआर को नर्क बना दिया है इन लोगों ने। इन्हें तो चंडीगढ़ जाकर बैठ जाना है और यहां के जो लोग हैं वो कैंसर से मरें इन्हें कोई मतलब नहीं, आम आदमी को मारे जाओ।

बंधवाड़ी क्षेत्र की बर्बादी के लिए जिम्मेदार है भ्रष्ट अधिकारी एवं उनकी पालनहार सरकार

मुख्यमंत्री खट्टर ने कूड़े से बिजली, खाद आदि उत्पाद बना कर इससे सरकार की आय बढ़ाने की घोषणा की थी। इसके लिए ईको ग्रीन कंपनी से करोड़ों रुपये का समझौता किया गया। बिजली खाद तो क्या बननी थी बंधवाड़ी प्लांट में कूड़े का पहाड़ खड़ा हो गया। ऐसा इसलिए कि कंपनी ने घरों से निकलने वाले सूखे और गीले कचरे को अलग ही नहीं किया। करीब अस्सी फीसदी कूड़ा ऐसे ही बंधवाड़ी प्लांट में डंप किया जाता रहा। कंपनी को तो एक हजार रुपये टन की दर से भुगतान मिलता रहा। शहर से प्रतिदिन औसतन सोलह सौ टन कचरा बंधवाड़ी प्लांट पहुंचता है यानी कंपनी को प्रतिदिन सोलह लाख रुपये का भुगतान किया जाता है।

सच्चाई यह है कि बंधवाड़ी में कूड़े का पहाड़ खड़ा करने में निकम्मे और भ्रष्ट अधिकारी जिम्मेदार हैं। यदि घरों से निकलने वाले कूड़े की हाथोंहाथ छंटाई हो जाती तो बिजली भी बनती और कूड़े का पहाड़ भी न खड़ा होता। लेकिन निकम्मे अधिकारी बिना मेहनत के समस्या का समाधान तलाशते हैं। यही कारण है कि बंधवाड़ी की तर्ज पर पांच विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक प्लांट बनाने की तैयारी की जा रही है। संवेदनहीन अधिकारियों ने जो जगहें चुनी हैं वह खेती और आबादी वाले इलाकों में, या उनके पास स्थित है। बंधवाड़ी के पहाड़ और उनसे निकलने वाले जहरीले तत्व गवाह हैं कि यह इलाके के लिए कितने खतरनाक हैं, यदि पांच विधानसभा क्षेत्रों में भी इसी तरह के प्लांट बनाए गए तो पूरा शहर दूषित और जहरीली आबोहवा वाले इलाके में तब्दील हो जाएगा।

प्रधानमन्त्री के दिल में बहन बेटियों के प्रति कोई इज्जत नहीं : रतनमान

बेटियों की इज्जत मान के लिए किसान कुछ करने से पीछे नहीं हटेंगे

करनाल (मज़दूर मोर्चा) किसानों के बड़े काफिले के साथ रेल द्वारा दिल्ली के जंतर मंतर पर पहलवानों के धरने पर पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने कहा कि देश भर के किसान के मन धरने पर बैठे पहलवानों के साथ हो रही बेइंसाफी से व्यथित हैं। किसान आंदोलनरत पहलवानों के साथ हैं तथा बहन बेटियों की इज्जत व मान मर्यादा के लिए कुछ भी करने से पीछे नहीं हटेंगे। सरकार ने हठधर्मिता नहीं छोड़ी तो देश का किसान महिला खिलाड़ियों के समर्थन में कूच के लिए तैयार है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्र की मोदी सरकार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के नारे का मजाक उड़ा रही है। इतना ही नहीं प्रधानमन्त्री के मन के बेटियों के प्रति कोई इज्जत नहीं है। यदि प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी बेटियों के लिए गम्भीर होते तो 11 दिन से दिल्ली में धरने पर बैठी बेटियों की पीड़ा उनको व्यथित कर देती और वह अपनी पार्टी ने सांसद कुश्ती महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह से त्याग पत्र दिलवा कर उन्हें गिरफ्तार करवाने में देर नहीं लगाते। प्रधानमन्त्री को बेटियों की पीड़ा मन की बात शामिल करनी चाहिए थी।

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी और उनकी टीम सत्ता के नशे में अंहकारी हो गई है। इसलिए दिल्ली में धरने दे रही महिला पहलवानों व अन्य पर पुलिस के मार्फत जुल्म करवाने के कदम उठवा रहे हैं।

दिल्ली के जंतर मंतर पर हमारे देश के पहलवान व बहन बेटियां धरने पर बैठी हुई हैं। लेकिन सरकार उनकी एक भी बात सुनने को तैयार ही नहीं है। खिलाड़ियों से मिलने जाने वालों को न केवल रोका जा रहा है, बल्कि उनके साथ बदसलूकी की जा रही है। खिलाड़ी बहन-बेटियों के साथ जो हुआ है, उससे पूरे देश में गुस्सा है। गोल्ड मेडलिस्ट बेटियां आज धरने पर हैं। बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए और उसे उठाकर सलाखों के पीछे डाल देना चाहिए।

मोदी सरकार बृजभूषण को बचाने का काम कर रही है। जब तक वह जेल की सलाखों के पीछे नहीं जाता, तब तक देश की जनता चैन से नहीं बैठेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देते थे। लेकिन आज देश की बेटियां ही सड़कों पर बैठी हुई हैं। जिन बेटियों ने तिरंगे का मान सम्मान बढ़ाया, आज उन बेटियों का सड़कों पर बैठने पर विवश होना पड़ रहा है और उनके साथ बदसलूकी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की शह पर दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर-मंतर पर भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती कर माहौल को बिगाड़ने का काम किया जा रहा है। पहलवानों और पुलिस के कुछ कर्मियों के बीच हाथापाई हो गई थी। इस टकराव के कारण कुछ प्रदर्शनकारियों के सिर में चोटें आई थीं।

जहां पहलवान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं उस जगह के चारों ओर बैरिकेड्स लगाकर पहलवानों के समर्थन में आने वालों को रोका गया। बातचीत के दौरान पहलवानों ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट की। जिससे पहलवान राहुल यादव और दुष्यंत फोगाट घायल हो गए और फोगाट को सिर में चोट आई हैं। कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत जिलों से सैकड़ों किसानों का जत्था रेल द्वारा जंतर मंतर पर प्रदेश अध्यक्ष रतनमान की अगुवाई में पहुंचा।

भ्रष्ट तहसीलदार के विरुद्ध आवाज उठाने वाले पत्रकार को किया गिरफ्तार

करनाल (मज़दूर मोर्चा) जनता की आवाज उठाने के बदले पत्रकार आकर्षण उप्पल को महिला तहसीलदार ललिता की शिकायत पर पुलिस ने गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे दोपहर बाद एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

भ्रष्टाचार उजागर:पत्रकार आकर्षण उप्पल

भ्रष्टाचार की आरोपी : तहसीलदार ललिता

उप्पल को गिरफ्तार करने के विरोध में करनाल में पत्रकारों और जनता ने विरोध प्रदर्शन कर पत्रकार की आवाज दबाने के लिए उन्हें झूठे केस में फंसाने के आरोप लगाए। लोगों के साथ पत्रकार का परिवार भी था। परिवारजनों ने प्रशासन व पुलिस द्वारा दर्ज किए गए केस और उन्हें जिस तरह से गिरफ्तार किया उस पर न केवल सवाल उठाए, बल्कि जिला सचिवालय के बाहर धरना शुरू कर दिया। कांग्रेस, आप और कई सामाजिक संगठनों ने समर्थन में आकर सरकार पर जनता की आवाज उठाने वालों को डराने के लिए उन पर झूठे केस दर्ज करने के आरोप लगाए। लोगों ने कहा कि अधिकारियों के भ्रष्टाचार,तानाशाही, लापरवाही और जनता के काम न करने वालों के खिलाफ बोलने वालों का मुंह बंद करने का अभियान छेड़ दिया है। लोगों का यह भी आरोप है कि इस देश में आम और खास व्यक्ति के लिए दो कानून बना दिए गए है। आम आदमी को तो गिरफ्तार करते देर नहीं लगाई जाती और खास के खिलाफ केस दर्ज होने के बाद भी उसकी गिरफ्तारी के लिए लोगों के विरोध प्रदर्शन की भी परवाह नहीं की जाती। लोगों ने कहा कि इस राज में आम व्यक्ति की आवाज उठाना भी अपराध हो गया है। जब पत्रकारों को आम व्यक्ति के हकों की आवाज उठाने पर डराने व धमकाने के काम होंगे तो फिर जनता की आवाज को कौन उठाएगा?

उधर,तहसीलदार ललिता की ओर से पुलिस को सौंपी गई शिकायत में कहा गया कि आकर्षण उप्पल ने सुमित कुमार नामक शख्स की रजिस्ट्री कराने के लिए उन पर दबाव बनाया। जब उन्होंने रजिस्ट्री पर साइन करने से इनकार किया तो आरोपी ने अपने सोशल मीडिया चैनल पर उनके खिलाफ अनाप-शनाप खबरें चलाईं।

महिला तहसीलदार की शिकायत के बाद करनाल सिविल लाइन थाना पुलिस ने आकर्षण उप्पल और सुमित कुमार को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने पेशी के बाद दोनों को एक दिन के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

हैरानी की बात तो यह है कि करनाल तहसील में ही नहीं करनाल जिले सभी तहसीलों में काम के लिए जनता धक्के खाते फिरती है, लेकिन उनकी कोई सुनने वाला नहीं है। तहसीलदार कालोनाइजरों व दलालों के काम करते देर नहीं लगाते और आम जनता के कामों में कई तरह के बहानेबाजी कर उन्हें परेशान करते है। तहसीलदारों के नाम पर दलाल खुलेआम उगाही कर रहे हैं, लेकिन सरकार ईमानदारी के ढोल पीटती फिर रही है। आरोप है कि सरकार झूठी वाहवाही व तानाशाही पर उतर चुकी है, जिसका खामियाजा चुनाव में भुगतना पड़ सकता है।